1

सुनें कहानी!

नीमा की दादी

नीमा दोपहर में दो बजे स्कूल से लौटती है। इस समय घर पर सिर्फ़ दादी होती हैं। वे कहीं नहीं आती-जाती हैं।

कभी बैठे-बैठे सब्ज़ी काट रही होती हैं।

उनके घुटनों में दर्द रहता है। इसलिए कभी वे अपने घुटनों में तेल मल रही होती हैं। उन्हें नीमा का बहुत इंतज़ार होता है।

Reprint 2026-27

नीमा रोज़ खाना खाते-खाते स्कूल की बातें सुनाती है। दादी भी उससे खूब बातें करती हैं। शाम को नीमा खेलने जाती है। एक दिन नीमा खेलने के लिए जाने लगी तो दादी बोलीं, "नीमा, थोड़ी देर बैठ जा।"

LIVEWORKSHEETS